developed on watershed basis by undertaking core activities namely land and water resources development,, afforestation and pasture development for mitigating the adverse effects of drought on crops and livestock in the long run.

Fishing Harbours in Often

6042. SHRI RAHASBIHARI BARIK: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what is the number of Fishing harbours constructed in Orissa so far;

(b) what are the on going Fishing harbour projects in that State and the progress thereof;

(c) whether there is any proposal for setting up new fishing harbours in that State which are pending at present; and

(d) if so, the steps taken so far to clear the proposals?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR): (a) Two fishing harbours and six fish landing centres have been consructed and completed in Orissa so far.

(b) The two fishing harbours at Paradeep and Nuagarh and 13 fish landing centres at Chandrabhaga, Kansabans, Nairi-Stage II, Soran, Rushikulya, Palaur, Talohua, Jamboo, Kharnasi, Bahabalpur, Sorala, Bandara, Khandiapatna, are nearing completion and expected to be commissioned during 1994-95. The construction of fish landing centre at Tantiapal is awaiting environmental clearance. Fish Landing centre at Bhusandpur—Baliapat-pur has been sanctioned recently and construction is yet to commence.

(c) There is no proposal pending at present with the Central Government for setting up new fishing harbours in the State.

(d) Does not arise.

दालों की मांग

6043. श्री वीरेन जे. शाह :
श्री राम जेठ मलानी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने देश में दालों की कुल मांग के बारे में कोई अनुमान लगाया है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1993–94 और 1994–95 के दौरान देश में दालों की कितनी मांग होने का अनुमान है ;

(ग) इस अनुमान के आधार पर देश में दालों की प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन कितनी खपत होने का अनुमान लगाया गया है ।

(घ) क्या उक्त वर्षों में दालों के स्वदेशी उत्पादन से मांग की पूर्ति हो जाएगी ;

(ङ) यदि नहीं, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और क्या यह भी सच है कि इन वर्षों में दालों का आयात-निर्यात भी किया गया ; और

(च) यदि हां, तो वर्ष 1993–94 और 1994–95 के दौरान दालों के उत्पादन लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए कितनी मात्रा में दालों का आयात और निर्यात किए जाने की संभावना है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार): (क) तथा (ख) योजना आयोग ने देश में दालों की मांग का अनुमान लगाया है जिसके आधार पर 1993–94 और 1994–95 के लिए उत्पादन लक्ष्य 15.5 मिलियन मीटरी टन निर्धारित किए गए हैं ।

(ग) 1993 के दौरान दालों की प्रति व्यक्ति निवल उपलब्धता 36.6 ग्राम प्रतिदिन थी ।

(घ) मांग को पूरा करने के लिए घरेलू उत्पादन पर्याप्त नहीं था ।

(ङ) और (च) आंतरिक मांग को पूरा करने के लिए आयात किया जाता है । 1993–94 (जनवरी, 1994 तक) के दौरान आयात की मात्रा लगभग 4,98,618 मीटरी टन थी जब कि निर्यात कि मात्रा 33,087 मीटरी टन थी । वर्ष 1994–95 के लिए दालों के आयात और निर्यात का अनुमान लगाना अभी संभव नहीं है । आयात और निर्यात की मात्रा स्वदेशी उत्पादन, आंतरिक मूल्य, अंतर्राष्ट्रीय मूल्य, आयात शुल्क और विदेशी बाजारों में उपलब्धता पर निर्भर करती है ।

कृषि क्षेत्र में उत्पादन दर/लागत

6044. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कृषि क्षेत्र में उत्पादन लागत में कमी लाने और औसत उत्पादन दर में वृद्धि करने की अत्यंत आवश्यकता है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि कृषि क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान पर वहन किया जाने वाला व्यय कुल व्यय का मात्र 0.163 प्रतिशत के लगभग है ;

(ग) यदि नहीं, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि देश में कृषि का अपेक्षित विकास न हो पाने के कारण सकल राष्ट्रीय उत्पाद में कृषि का अंश गत चार दशकों से निरंतर कम होता जा रहा है ;

(ङ) यदि हां, तो क्या सरकार कृषि क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान कार्य में गति लाने के लिए नए सिरे से विचार करके कोई कार्य योजना तैयार करेगी ; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) उत्पादन लागत को घटाने तथा उत्पादन दर को बढ़ाने की गुंजाईश हमेशा रहती है । आधुनिक प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढ़ाकर, फार्म प्रबंध विधियों आदि के माध्यम से उत्पादन लागत को घटाने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है ;

(ख) जी, नहीं ।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता ।

(घ) जी, हां । अधिक विकास संभावना वाले द्वितीय एवं तृतीयक क्षेत्रों के विकास से सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत में कृषि का योगदान आमतौर पर घटता है ।

(ङ) और (च) देश में अनुसंधान नेटवर्क 45 अनुसंधान संस्थानों, 40 राष्ट्रीय ब्यूरो, 30 राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्रों, 9 परियोजना निदेशालयों तथा 77 अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से संचालित होता है। चूंकि फार्म अनुसंधान के लिए आबंटन पर्याप्त नहीं है, परिव्यय की अपर्याप्तता के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए अनुसंधान गतिविधियों का पुनर्गठन किया गया है ।

देश में ऊसर भूमि

6045. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में लगभग 17.30 करोड़ हैक्टेयर कृषि योग्य भूमि उपलब्ध है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस समय 14.20 करोड़ हैक्टेयर भूमि पर ही खेती की जा रही है, यदि नहीं तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार ने शेष कृषि योग्य भूमि को कृषि क्षेत्र के अंतर्गत लाने के लिए कोई समयबद्ध योजना तैयार की है ; और